

समनंतर वि. (तत्.) 1. ठीक उसके बाद का, ठीक उसके साथ 2. सटा हुआ, संलग्न 3. बराबरी का।

समन वि. (तत्.) शमन करने वाला पुं. 1. किसी रोग, उपद्रव, दोष को दबाने की क्रिया, दमन 2. वैद्यक में वात सम्बंधी दोष को शांत करने वाली औषधि 3. यम 4. हिंसा 5. अन्न स्त्री. (फा.) चमेली का वृक्ष और फूल।

समनगा स्त्री. (तत्.) 1. विद्युत, बिजली 2. सूर्य की किरण।

समनचार पुं. (देश.) समाचार।

समनाम पुं. (तत्.) 1. एक जैसा नाम वाला नामराशी 2. पर्याय, समानार्थ।

समनीक पुं. (तत्.) संग्राम, युद्ध।

समनुज्ञा स्त्री. (तत्.) 1. अनुमति 2. पूर्ण सहमति।

समन्यु वि. (तत्.) 1. शोक से व्याकुल 2. रोषपूर्ण पुं. शिव का एक नाम।

समन्वय पुं. (तत्.) 1. संतुलन 2. पारस्परिक संबंध 3. संयोग।

समन्वित वि. (तत्.) 1. किन्हीं विचारों, वस्तुओं आदि का समान रूप से इस प्रकार मिलना कि एक इकाई बन जाए, एकरूपता 2. युक्त 3. सम्बद्ध 4. विरोध का अभाव 5. आकुल।

समन्वेषक वि. (तत्.) 1. समन्वेषण करने वाला 2. किसी वस्तु आदि का तथ्यात्मक दृष्टि से खोज करने वाला।

समन्वेषण पुं. (तत्.) 1. अच्छी तरह किया जाने वाला अन्वेषण, अनुसंधान, गहरी खोज 2. ऐसे स्थानों की जानकारी प्राप्त करने के लिए की जाने वाली यात्रा जहाँ तक अभी कोई पहुँचा न हो या जिसके बारे में लोग अभी जानते न हों।
lexploration

समपद पुं. (तत्.) 1. धनुष चलाने वाली व्यक्ति के खड़े होने का ढंग जिसमें वे अपने दोनों पैर बराबर रखते हैं 2. संयोग का एक प्रकार का आसन।

समपना स.क्रि. (देश.) सौपना।

समपाद पुं. (तत्.) 1. कविता का वह छंद जिसके सब चरण एक समान होते हैं पुं. (देश.) समपद।

समबाहु वि. (तत्.) जिसकी सब भुजाएँ या बाँहें बराबर या समान हों, समभुज equilateral

समबुद्धि वि. (तत्.) 1. हानि-लाभ, सुख-दुख, शत्रु-मित्र आदि को समान बुद्धि से देखने वाला 2. जो पक्षपाती न हो स्त्री. कभी विचलित न होने वाली बुद्धि से युक्त, स्थिर बुद्धि।

समबोल पुं. (तत्.) समध्वनिक, ऐसे शब्द जो उच्चारण या ध्वनि के विचार से तो एक हों पर उनके अर्थ भिन्न हो।

समभिहरण पुं. (तत्.) समापहरण।

समभुज वि. (तत्.) गणि. जिसकी सब भुजाएँ समान हों।

समभूमिक वि. (तत्.) समतल, वह तल जो कहीं पर भी ऊँचा-नीचा न हो।

सममति वि. (तत्.) जिसकी मति/बुद्धि सुख-दुख, हर्ष-विषाद, लाभ-हानि आदि में समान रहती हो।

सममिति स्त्री. (तत्.) 1. वस्तु के विभिन्न अंगों का परस्पर ठीक अनुपात 2. शरीर के विभिन्न अंगों का परस्पर सादृश्य या ठीक अनुपात 3. गणि. ऐसी आकृति जिसे किसी रेखा विशेष पर मोड़ने पर उसके दोनों भाग पूरी तरह एक-दूसरे पर आएँ।

समय पुं. (तत्.) 1. काल 2. वक्त 3. सुबह-शाम या रात-दिन के विचार से काल का कोई भाग 4. अवसर, मौका 5. दो घटनाओं के बीच का अंतराल, अवधि 6. युग, जमाना 7. क्षण-विशेष 8. आपस में होने वाला किसी प्रकार का निश्चय, करार या समझौता 9. कोई धार्मिक या सामाजिक प्रथा या परिपाटी 10. सिद्धांत 11. अंत, परिणाम 12. ठहराव, शर्त 13. नियम, कानून 14. धर्म 15. संन्यासियों, वैदिकों, व्यापारियों आदि के संघों में प्रचलित नियम।